

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME  
(BDP PHILOSOPHY)**

**Term-End Examination**

**December, 2012**

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY**

**BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART - I**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

- 
- Note :** (i) *Answer all five questions.*  
(ii) *All questions carry equal marks.*  
(iii) *Answer to question no. 1 and 2 to be in about 400 words each.*
- 

1. Examine the ethical implications of all three Heterodox schools. 20

**OR**

Discuss the philosophical teachings of chāndogya upanisad. 20

2. Describe the subject-matter of the four Vedas. 20

**OR**

Assess the nature of self as discussed in Kathopanisad. 20

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each :
- (a) Analyse the nature of mind as found in the upanisads. 10
- (b) Briefly describe of UPIS technology of Madhyamika school. 10
- (c) Compare and contrast the metaphysical views of Vaibhasika and Savtrantika 10
- (d) What are the unique features of Shvetashvatara Upanisad ? 10
4. Answer **any four** of the following in about **150** words each :
- (a) What is meant by Smritis ? 5
- (b) What do you understand by the Shiksha Vedanga ? 5
- (c) Elucidate Vidhya and Avidhya in Isha Upanisad. 5
- (d) Explain Jaina's concept of Jiva. 5
- (e) How does cārvākās refute inference. 5
- (f) Give the meaning and classification of the Vedas. 5
5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :
- (a) Five skandhas of Buddhism 4
- (b) Nishkāmā Karma 4
- (c) Jaina's perception 4
- (d) Aranyakas 4
- (e) Monotheism 4
- (f) Ākāshā 4
- (g) Vijñānavāda 4
- (h) Turīya 4

स्नातक उपाधि कार्यक्रम ( बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र )

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2012

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र

बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन-I

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) पहले एवं दूसरे प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. सभी तीन भारतीय नास्तिक दर्शनों (Heterodox School) के नैतिक निहितार्थों की परीक्षा कीजिए। 20

अथवा

छांदोग्य उपनिषद् की दार्शनिक शिक्षाओं की विवेचना कीजिए। 20

2. चार वेदों की विषयवस्तु की विस्तार से व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

कठोपनिषद् में वर्णित आत्म के स्वरूप का मूल्यांकन कीजिए। 20

3. किन्हीं दों प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।
- (a) उपनिषदों में वर्णित मन के स्वरूप का मूल्यांकन कीजिए। 10
- (b) माध्यमिक दर्शन की ज्ञानमीमांसा का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 10
- (c) वैभाषिक एवं स्वतन्त्रिक दर्शनों की तत्वमीमांसीय समानताओं/असमानताओं का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए। 10
- (d) श्वेताश्वतर उपनिषद् के विशिष्ट लक्षणों का विवरण दीजिए। 10
4. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।
- (a) 'स्मृति' से आप क्या समझते हैं? 5
- (b) शिक्षा वेदांग को स्पष्ट कीजिए। 5
- (c) ईशोपनिषद् में उल्लेखित विद्या और अविद्या के विचार को समझाएँ। 5
- (d) जैन दर्शन के जीव के प्रत्यय का वर्णन कीजिए। 5
- (e) चार्वाक अनुमान प्रमाण की वैधता का खण्डन कैसे करते हैं? 5
- (f) वेदों के अर्थ एवं वर्गीकरण को प्रस्तुत कीजिए। 5
5. किन्हीं पांच प्रश्नों पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।
- (a) बौद्ध दर्शन के पांच स्कन्ध 4
- (b) निष्काम कर्म 4
- (c) जैन दर्शन में प्रत्यक्ष 4
- (d) आरण्यक 4
- (e) एकेश्वरवाद 4
- (f) आकाश 4
- (g) विज्ञानवाद 4
- (h) तूरीय 4